आये मेरी माँ के पावन नवराते

तर्ज - छू कर मेरे मन को किया

आये मेरी माँ के पावन नवराते
घर घर मे होंगे , मैया के जगराते
आये मेरी माँ .....

दर्श बिना मुझको , आये न माँ अब चेन
माँ तुमसे मिलने को , तेरा लाल हुआ बेचैन
गिन गिन के गुजारे , माँ हमने दिन राते
आये मेरी माँ .....

जिस घर आये माँ , उस घर का भाग्योदय
छाये वहाँ खुशहाली , ये कहता आज अजय
दिलबर माँ के दर से , पाई है सौगाते
मैया के दर से , मिली " दिलबर ' कई सौगाते
आये मेरी माँ .....

दिलीप सिंह सिसोदिया
" दिलबर "
नागदा जक्शन म.प्र.

Source: https://www.bharattemples.com/aaye-mari-maa-ke-paawn--navrate/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw